# LETUS CAPITAL S.A.

## Raport kwartalny za okres
## od 01.07.2017 r. do 30.09.2017 r.

Warszawa, 14 listopada 2017 r.

# 1. KWARTALNE SKRÓCONE SPRAWOZDANIE FINANSOWE

## 1.1. Bilans

| Letus Capital S.A. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | BILANS | | | | |
| | na dzień 30 wrzesień 2017 roku w porównaniu do 30 wrzesień 2016 roku | | | | |
| | w złotych | | | | |
| | Stan na dzień 30.09.2016 | Stan na dzień 30.09.2017 | | Stan na dzień 30.09.2016 | Stan na dzień 30.09.2017 |
| **AKTYWA** | | | **PASYWA** | | |
| 0 | 2 | 2 | 0 | 2 | 2 |
| **A. Aktywa trwałe** | **2 349 287,19** | **2 982 710,00** | **A. Kapitał (fundusz) własny** | **4 842 328,51** | **3 980 485,63** |
| **I. Wartości niematerialne. i prawne** | **0,00** | **0,00** | **I. Kapitał (fundusz) podstawowy** | **1 778 000,00** | **1 778 000,00** |
| 1. Koszty zakończonych prac rozwojowych | 0,00 | 0,00 | | **0,00** | **0,00** |
| 2. Wartość firmy | 0,00 | 0,00 | | **0,00** | **0,00** |
| 3. Inne wartości niematerialne i prawne | 0,00 | 0,00 | **II. Kapitał (fundusz) zapasowy)** | **8 359 622,18** | **8 359 622,18** |
| 4. Zaliczki na poczet wartości niematerialnych i prawnych | 0,00 | 0,00 | **III. Kapitał (fundusz) z aktualizacji wyceny** | **0,00** | **0,00** |
| **II. Rzeczowe aktywa trwałe** | **9 657,19** | **0,00** | **IV. Pozostałe kapitały - rezerwowe** | **0,00** | **0,00** |
| 1. Środki trwałe | **9 657,19** | **0,00** | **V. Zysk (strata) z lat ubiegłych** | **-4 978 457,80** | **-6 179 236,41** |
| *a) grunty (w tym prawo użytkowania wieczystego gruntów)* | 0,00 | 0,00 | **VI. Zysk (strata) netto** | **-316 835,87** | **22 099,86** |
| *b) budynki, lokale i obiekty inżynierii lądowej i wodnej* | 0,00 | 0,00 | **VII. Odpisy z zysku netto w ciągu roku obrotowego** | **0,00** | **0,00** |
| *c) urządzenia techniczne i maszyny* | 0,00 | 0,00 | **B. Zobowiązania i rezerwy na zobowiązania** | **1 368 666,85** | **678 858,59** |
| *d) środki transportu* | 7 128,14 | 0,00 | **I. Rezerwy na zobowiązania** | **0,00** | **407 197,71** |
| *e) inne środki trwałe* | 2 529,05 | 0,00 | 1. Rezerwy z tytułu odroczonego podatku dochodowego | 0,00 | 0,00 |
| 2. Środki trwałe w budowie | 0,00 | 0,00 | 2. Rezerwa na świadczenia emerytalne i podobne | 0,00 | 0,00 |
| 3. Zaliczki na środki trwałe w budowie | 0,00 | 0,00 | (1) długoterminowa | 0,00 | 0,00 |
| **III. Należności długoterminowe** | **0,00** | **0,00** | (2) krótkoterminowa | 0,00 | 0,00 |
| 1. Od jednostek powiązanych | 0,00 | 0,00 | 3. Pozostałe rezerwy | 0,00 | 407 197,71 |
| 2. Od pozostałych jednostek | 0,00 | 0,00 | (1) długoterminowe | 0,00 | 0,00 |
| **IV. Inwestycje długoterminowe** | **1 955 040,00** | **2 598 960,00** | (2) krótkoterminowe | 0,00 | 407 197,71 |
| 1. Nieruchomości | 0,00 | 0,00 | **II. Zobowiązania długoterminowe** | **56 996,85** | **185 869,04** |
| 2. Wartości niematerialne i prawne | 0,00 | 0,00 | 1. Wobec jednostek powiązanych | 0,00 | 0,00 |
| 3. Długoterminowe aktywa finansowe | **1 955 040,00** | **2 598 960,00** | 2. Wobec pozostałych jednostek | 56 996,85 | 185 869,04 |
| *a) w jednostkach powiązanych* | 0,00 | 0,00 | *a) kredyty i pożyczki* | 56 996,85 | 185 869,04 |
| (1) udziały lub akcje | 0,00 | 0,00 | *b) z tytułu emisji dłużnych papierów wartościowych* | 0,00 | 0,00 |
| (2) inne papiery wartościowe | 0,00 | 0,00 | *c) inne zobowiązania finansowe* | 0,00 | 0,00 |
| (3) udzielone pożyczki | 0,00 | 0,00 | *d) inne* | 0,00 | 0,00 |
| (4) inne długoterminowe aktywa finansowe) | 0,00 | 0,00 | **III. Zobowiązania krótkoterminowe** | **1 281 670,00** | **55 791,84** |
| *b) w pozostałych jednostkach* | 1 955 040,00 | 2 598 960,00 | 1. Wobec jednostek powiązanych | 92 412,03 | 0,00 |
| (1) udziały lub akcje | 1 955 040,00 | 2 598 960,00 | *a) z tytułu dostaw i usług, o okresie wymagalności:* | 0,00 | 0,00 |
| (2) inne papiery wartościowe | 0,00 | 0,00 | (1) do 12 miesięcy | 0,00 | 0,00 |
| (3) udzielone pożyczki | 0,00 | 0,00 | (2) powyżej 12 miesięcy | 0,00 | 0,00 |
| (4) inne długoterminowe aktywa finansowe) | 0,00 | 0,00 | *b) inne* | 92 412,03 | 0,00 |
| 4. Inne inwestycje długoterminowe | 0,00 | 0,00 | 2. Wobec pozostałych jednostek | 1 189 257,97 | 55 791,84 |
| **IV. Długoterminowe rozliczenia międzyokresowe** | **384 590,00** | **383 750,00** | *a) kredyty i pożyczki* | 6 724,88 | 0,00 |
| 1. Aktywa z tytułu odroczonego podatku dochodowego | 383 750,00 | 383 750,00 | *b) z tytułu emisji dłużnych papierów wartościowych* | 48 240,00 | 0,00 |
| 2. Inne rozliczenia międzyokresowe | 840,00 | 0,00 | *c) inne zobowiązania finansowe* | 4 696,58 | 0,00 |
| **B. Aktywa obrotowe** | **3 621 628,33** | **1 676 634,22** | *d) z tytułu dostaw i usług w okresie wymagalności:* | 198 565,94 | 7 657,47 |
| **I. Zapasy** | **0,00** | **14 367,09** | (1) do 12 miesięcy | 198 565,94 | 7 657,47 |
| 1. Materiały | 0,00 | 0,00 | (2) powyżej 12 miesięcy | 0,00 | 0,00 |
| 2. Półprodukty i produkty w toku | 0,00 | 0,00 | *e) do rozliczenia akcje* | 0,00 | 0,00 |
| 3. Produkty gotowe | 0,00 | 0,00 | *f) zobowiązania wekslowe* | 0,00 | 0,00 |
| 4. Towary | 0,00 | 0,00 | *g) z tytułu podatków, ceł, ubezpieczeń i innych świadczeń* | 162 290,52 | 0,00 |
| 5. Zaliczki na poczet dostaw | 0,00 | 14 367,09 | *h) z tytułu wynagrodzeń* | 609 327,15 | 0,00 |
| **II. Należności krótkoterminowe** | **3 193 007,12** | **1 229 982,77** | *i) inne* | 159 412,90 | 48 134,37 |
| 1. Należności od jednostek powiązanych | 71 055,21 | 0,00 | 3. Fundusze specjalne | 0,00 | 0,00 |
| *a) z tytułu dostaw i usług, o okresie spłaty:* | 0,00 | | **IV. Rozliczenia międzyokresowe** | **30 000,00** | **30 000,00** |
| (1) do 12 miesięcy | 32 642,63 | 0,00 | 1. Ujemna wartość firmy | 0,00 | 0,00 |
| (2) powyżej 12 miesięcy | 0,00 | 0,00 | 2. Inne rozliczenia międzyokresowe | 30 000,00 | 30 000,00 |
| b) inne | 38 412,58 | 0,00 | (1) długoterminowe | 0,00 | 0,00 |
| 2. Należności od pozostałych jednostek | 3 121 951,91 | 1 229 982,77 | (2) krótkoterminowe | 30 000,00 | 30 000,00 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| *a) z tytułu dostaw i usług, o okresie spłaty:* | 2 021 724,62 | 701 868,41 | (3) przychody przyszłych okresów | 0,00 | 0,00 |
| (1) do 12 miesięcy | 2 021 724,62 | 701 868,41 | | | |
| (2) powyżej 12 miesięcy | 0,00 | 0,00 | | | |
| *b) z tytułu podatków, dotacji, ceł, ubezpieczeń społecznych i zdrowotnych* | 22 279,00 | 4 408,00 | | | |
| *c) inne* | 1 077 948,29 | 505 706,36 | | | |
| *d) pozostałe* | 0,00 | 18 000,00 | | | |
| **III. Inwestycje krótkoterminowe** | **427 232,05** | **428 784,36** | | | |
| 1. Krótkoterminowe aktywa finansowe | 427 232,05 | 428 784,36 | | | |
| *a) w jednostkach* | 427 214,20 | 428 279,27 | | | |
| (1) powiązanych | 11 446,00 | 0,00 | | | |
| (2) w pozostałych jednostkach | 0,00 | 0,00 | | | |
| (3) udzielone pożyczki | 415 768,20 | 428 279,27 | | | |
| (4) inne długoterminowe aktywa finansowe | **0,00** | **0,00** | | | |
| *b) środki pieniężne i inne aktywa pieniężne* | 17,85 | 505,09 | | | |
| (1) środki pieniężne w kasie i na rachunkach | 17,85 | 505,09 | | | |
| (2) inne środki pieniężne | 0,00 | 0,00 | | | |
| (3) inne aktywa pieniężne | 0,00 | 0,00 | | | |
| 2. Inne inwestycje krótkoterminowe | 0,00 | 0,00 | | | |
| **IV. Krótkoterminowe rozliczenia międzyokresowe** | **1 389,16** | **3 500,00** | | | |
| **C. Należne wpłaty na kapitał (fundusz) podstawowy** | | | | | |
| **D. Udziały ( akcje ) własne** | **240 079,84** | **0,00** | | | |
| **Suma aktywów** | **6 210 995,36** | **4 659 344,22** | **Suma pasywów** | **6 210 995,36** | **4 659 344,22** |

## 1.2. Rachunek zysków i strat

| | RACHUNEK ZYSKÓW I STRAT | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | **sporządzony na dzień 30 wrzesień 2017 r. w porównaniu do 30 wrzesień 2016 roku** | | | | |
| | (wariant porównawczy) w złotych | | | | |
| **Poz.** | **Nazwa pozycji** | III kwartał 2016 | narastająco na dzień 30.09.2016 | III kwartał 2017 | narastająco na dzień 30.09.2017 |
| **A** | **Przychody netto ze sprzedaży i zrównane z nimi, w tym:** | **0,00** | **14 000,00** | **118 015,00** | **132 013,00** |
| - | | 0,00 | 0,00 | 0,00 | 0,00 |
| I | Przychody netto ze sprzedaży produktów | 0,00 | **14 000,00** | **20 000,00** | **33 998,00** |
| II | Zmiana stanu produktów (zwiększenie - wartość dodatnia, zmniejszenie - wartość ujemna) | 0,00 | 0,00 | 0,00 | 0,00 |
| III | Koszt wytworzenia produktów na własne potrzeby jednostki | 0,00 | 0,00 | | 0,00 |
| IV | Przychody netto ze sprzedaży towarów i materiałów | 0,00 | 0,00 | 98 015,00 | 98 015,00 |
| **B** | **Koszty działalności operacyjnej** | **10 268,50** | **36 395,44** | **77 369,09** | **106 423,80** |
| I | Amortyzacja | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| | Zużycie materiałów i energii | 0,00 | 881,97 | 235,77 | 1 297,31 |
| III | Usługi obce | 10 268,50 | 35 195,70 | 20 149,80 | 29 894,56 |
| IV | Podatki i opłaty, w tym: | 0,00 | 0,00 | 25 240,00 | 25 240,00 |
| V | Wynagrodzenia | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| VI | ubezpieczenia społeczne i inne świadczenia | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| VII | Pozostałe koszty rodzajowe | 0,00 | 317,77 | 11 875,32 | 25 722,93 |
| VIII | Wartość sprzedanych towarów i materiałów | 0,00 | 0,00 | 19 868,20 | 24 269,00 |
| **C** | **Zysk (strata) ze sprzedaży (A - B)** | **-10 268,50** | **-22 395,44** | **40 645,91** | **25 589,20** |
| **D** | **Pozostałe przychody operacyjne** | **0,00** | **0,00** | **-5 000,43** | **0,00** |
| I | Zysk ze zbycia niefinansowych aktywów trwałych | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| II | Dotacje | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| III | Aktualizacja wartości aktywów niefinansowych | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| IV | Inne przychody operacyjne | 0,00 | 0,00 | -5 000,43 | 0,00 |
| **E** | **Pozostałe koszty operacyjne** | **18 909,65** | **18 910,43** | **0,00** | **0,00** |
| I | Strata z tytułu rozchodu niefinansowych aktywów trwałych | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| II | Aktualizacja wartości aktywów niefinansowych | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| III | Inne koszty operacyjne | 18 909,65 | 18 910,43 | 0,00 | 0,00 |
| **F** | **Zysk (strata) z działalności operacyjnej (C + D - E)** | **-3 205,39** | **-41 305,87** | **35 645,48** | **25 589,20** |
| **G** | **Przychody finansowe** | **1 448 920,00** | **1 453 920,00** | **0,00** | **0,00** |
| I | Dywidendy i udziały w zyskach | 0,00 | 0,00 | 0,00 | 0,00 |
| II | Odsetki | 0,00 | 0,00 | 0,00 | 0,00 |
| III | Zysk z tytułu rozchodu aktywów finansowych | 0,00 | 0,00 | 0,00 | 0,00 |
| IV | Aktualizacja wartości aktywów finansowych | 1 448 920,00 | 1 453 920,00 | 0.00 | 0,00 |
| V | Inne | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| **H** | **Koszty finansowe** | **549 450,00** | **1 729 450,00** | **3 454,97** | **3 489,34** |
| I | Odsetki | 0,00 | 0,00 | 3 454,97 | 3 489,34 |
| II | Strata z tytułu rozchodu aktywów finansowych | 549 450,00 | 1 729 450,00 | 0.00 | 0,00 |
| III | Aktualizacja wartości aktywów finansowych | 0,00 | | 0.00 | 0,00 |
| IV | Inne | 0,00 | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| **I** | **Zyska (strata) brutto (F + G - H)** | **870 291,85** | **-316 835,87** | **32 190,51** | **22 099,86** |
| **J** | **Podatek dochodowy** | **0,00** | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| **K** | **Pozostałe obowiąz. zmniejszenia zysku (zwiększenia straty)** | **0,00** | 0,00 | 0.00 | 0,00 |
| **L** | **Zysk (strata) netto (I-J-K)** | **870 291,85** | **-316 835,87** | **32 190,51** | **22 099,86** |

## 1.3. Rachunek przepływów pieniężnych

| Treść | | III kwartał 2016 | III kwartał 2017 | od 01.01.2016 do 30.09.2016 | Od 01.01.2017 do 30.09.2017 |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| **A.** | **Przepływy środków pieniężnych z działalności operacyjnej** | | | | |
| I. | Zysk (strata) netto | 870 291,85 | 32 190,51 | -316 835,85 | 22 099,86 |
| II. | Korekty razem | -870 309,37 | -32 185,92 | 290 249,52 | -8 857,66 |
| III. | Przepływy pieniężne netto z działalności operacyjnej (I +- II) | -17,52 | -1 739,64 | -26 586,35 | 13 242,20 |
| **B.** | **Przepływy środków pieniężnych z działalności inwestycyjnej** | | | | |
| I. | Wpływy | 0,00 | 0,00 | 5 000,00 | 0,00 |
| II. | Wydatki | 0,00 | 0,00 | | 0,00 |
| III. | Przepływy pieniężne netto z działalności inwestycyjnej (I-II) | 0,00 | 0,00 | 5 000,00 | 0,00 |
| **C.** | **Przepływy środków pieniężnych z działalności finansowej** | | | | |
| I. | Wpływy | 0,00 | 0,00 | ,00 | 33 170,00 |
| II. | Wydatki | 0,00 | 0,00 | ,00 | -46 509,00 |
| III. | Przepływy pieniężne netto z działalności finansowej (I - II) | 0,00 | 0,00 | ,00 | -13 339,00 |
| **D.** | **Przepływy pieniężne netto razem (A.III +- B.III +- C.III)** | **-17,52** | **4,59** | -21 586,35 | 96,80 |
| **E.** | **Bilansowa zmiana stanu środków pieniężnych, w tym** | **-17,52** | **4,59** | -21 586,35 | 96,80 |
| **F.** | **Środki pieniężne na początek okresu** | **35,37** | **500,50** | 21 604,20 | 408,29 |
| **G.** | **Środki pieniężne na koniec okresu (F +- D)** | **17,85** | **505,09** | 17,85 | 505,09 |

## 1.4. Zestawienie zmian w kapitale własnym

| | Zestawienie zmian w Kapitale Własnym | od 01.01.2017 do 30.09.2017 | Od 01.01.2016 do 30.09.2016 |
|---|---|---|---|
| I | **Kapitał (fundusz) własny na początek okresu (BO)** | 3 958 385,77 | 4 579 534,54 |
| I.a | **Kapitał (fundusz) własny na początek okresu (BO, po korektach** | 3 958 385,77 | 4 579 534,54 |
| II | **Kapitał (fundusz) własny na koniec okresu (BZ)** | **3 980 485,63** | 4 602 248,67 |
| III. | **Kapitał (fundusz) własny po uwzględnieniu proponowanego podziału zysku ( pokryciu straty )** | 3 980 485,63 | 4 602 248,67 |

## 1.5. Informacje o zasadach przyjętych przy sporządzaniu raportu, w tym informacje o zmianach stosowanych zasad (polityki) rachunkowości

Sprawozdanie finansowe zostało przygotowane zgodnie z wymogami ustawy z dnia 29 września 1994 roku o rachunkowości obowiązującymi jednostki kontynuujące działalność. Spółka sporządza rachunek zysków i strat w układzie porównawczym. W sprawozdaniu finansowym Spółka wykazuje zdarzenia gospodarcze zgodnie z ich treścią ekonomiczną.

Wynik finansowy Spółki obejmuje wszystkie osiągnięte i przypadające na jej rzecz przychody oraz związane z tymi przychodami koszty zgodnie z zasadami memoriału, współmierności przychodów i kosztów oraz ostrożnej wyceny.

**Rachunek zysków i strat**

**Przychody**

Przychody ze sprzedaży obejmują niewątpliwie należne lub uzyskane kwoty netto ze sprzedaży tj. pomniejszone o należny podatek od towarów i usług (VAT) ujmowane w okresach, których dotyczą. Przychody z wykonania niezakończonej usługi, w tym budowlanej, ustala się na dzień bilansowy proporcjonalnie do stopnia zaawansowania usługi, jeżeli stopień ten można ustalić w sposób wiarygodny. Spółka ustala stopień zaawansowania prac na podstawie - udziału kosztów poniesionych od dnia zawarcia umowy do dnia ustalenia przychodu w całkowitych kosztach wykonania usługi,

Określony w ten sposób stopień zaawansowania prac stosowany jest do określenia wartości sprzedaży w stosunku do wartości przychodów wynikających z treści zawartych umów. Różnica pomiędzy tak ustaloną wartością sprzedaży a wartością zafakturowaną na odbiorców usług odnoszona jest w pozycję rozliczeń międzyokresowych.

W przypadku, gdy stopień zaawansowania nie zakończonej usługi nie może być na dzień bilansowy ustalony w sposób wiarygodny, to przychód ustala się w wysokości poniesionych w danym okresie kosztów, nie wyższych jednak od kosztów, których pokrycie przychodami w przyszłości przez zamawiającego jest prawdopodobne.

**Koszty**

Spółka prowadzi koszty w układzie rodzajowym, wyróżniając, zgodnie z wariantem porównawczym rachunku zysków i strat:

I. Amortyzację
II. Zużycie materiałów i energii
III. Usługi obce
IV. Podatki i opłaty
V. Wynagrodzenia
VI. Ubezpieczenia społeczne i inne świadczenia
VII. Pozostałe koszty rodzajowe
VIII. Wartość sprzedanych towarów i materiałów

Na wynik finansowy Spółki wpływają ponadto:

- Pozostałe przychody i koszty operacyjne pośrednio związane z działalnością Spółki w zakresie m.in. zysków i strat ze zbycia niefinansowych aktywów trwałych, aktualizacji wyceny aktywów niefinansowych, utworzenia i rozwiązania rezerw na przyszłe ryzyko, kar, grzywien i odszkodowań, otrzymania lub przekazania darowizn,
- Przychody finansowe z tytułu dywidend (udziałów w zyskach), odsetek, zysków ze zbycia inwestycji, aktualizacji wartości inwestycji, nadwyżki dodatnich różnic kursowych nad ujemnymi,
- Koszty finansowe z tytułu odsetek, strat ze zbycia inwestycji, aktualizacji wartości inwestycji, nadwyżki ujemnych różnic kursowych nad dodatnimi,
- Straty i zyski nadzwyczajne powstałe na skutek trudnych do przewidzenia zdarzeń nie związanych z ogólnym ryzykiem prowadzenia Spółki poza jej działalnością operacyjną.

**Opodatkowanie**

Wynik finansowy brutto korygują:

- bieżące zobowiązania z tytułu podatku dochodowego od osób prawnych,
- zmiany stanu aktywów oraz rezerwy z tytułu odroczonego podatku dochodowego.

**Podatek dochodowy bieżący**

Bieżące zobowiązania z tytułu podatku dochodowego od osób prawnych są naliczone zgodnie z przepisami podatkowymi.

**Podatek dochodowy odroczony**

W związku z przejściowymi różnicami między wykazywaną w księgach rachunkowych wartością aktywów i pasywów a ich wartością podatkową oraz stratą podatkową możliwą do odliczenia w przyszłości, jednostka tworzy rezerwę i ustala aktywa z tytułu odroczonego podatku dochodowego, którego jest podatnikiem.

Aktywa z tytułu odroczonego podatku dochodowego ustala się w wysokości kwoty przewidzianej w przyszłości do odliczenia od podatku dochodowego, w związku z ujemnymi różnicami przejściowymi, które spowodują w przyszłości zmniejszenie podstawy obliczenia podatku dochodowego oraz straty podatkowej możliwej do odliczenia, ustalonej przy uwzględnieniu zasady ostrożności.

Rezerwę z tytułu odroczonego podatku dochodowego tworzy się w wysokości kwoty podatku dochodowego, wymagającej w przyszłości zapłaty, w związku z występowaniem dodatnich różnic przejściowych, to jest różnic, które spowodują zwiększenie podstawy obliczenia podatku dochodowego w przyszłości.

Wykazywana w rachunku zysków i strat część odroczona stanowi różnicę pomiędzy stanem rezerw i aktywów z tytułu podatku odroczonego na koniec i początek okresu sprawozdawczego.
Rezerwy i aktywa z tytułu odroczonego podatku dochodowego, dotyczące operacji rozliczanych z kapitałem (funduszem) własnym, odnosi się również na kapitał (fundusz) własny.

**Bilans**
Wartości niematerialne i prawne wycenia się według cen nabycia lub kosztów wytworzenia dla kosztów prac rozwojowych, pomniejszonych o skumulowane odpisy umorzeniowe oraz o ewentualne odpisy z tytułu trwałej utraty wartości.

Za wartości niematerialne i prawne uznaje się:
- koszty prac rozwojowych zakończonych pozytywnym wynikiem, który zostanie wykorzystany do produkcji,
- nabytą wartość firmy,
- nabyte prawa majątkowe, prawa pokrewne, licencje i koncesje,
- nabyte prawa do wynalazków, patentów, znaków towarowych, wzorów użytkowych,
- know-how

Wartości niematerialne i prawne amortyzowane są metodą liniową w okresie przewidywanej ekonomicznej użyteczności. Wartości niematerialne i prawe o jednostkowej wartości nie przekraczającej 3,5 tys. zł w dniu przyjęcia do użytkowania - jednorazowe spisanie w koszty amortyzacji.

Środki trwałe są wycenianie w cenie nabycia lub koszcie wytworzenia lub wartości przeszacowanej (po aktualizacji wyceny składników majątku), pomniejszonych o skumulowane umorzenie a także o dokonane odpisy z tytułu utraty wartości.
Cena nabycia i koszt wytworzenia środków trwałych obejmuje ogół kosztów poniesionych przez jednostkę za okres budowy, montażu, przystosowania i ulepszenia do dnia przyjęcia do używania.
Do ceny nabycia lub kosztu wytworzenia środków trwałych zalicza się koszty obsługi zobowiązań zaciągniętych w celu ich finansowania i związane z nimi różnice kursowe. Koszty obsługi pomniejsza się o uzyskane przychody z nim związane.
Zgodnie z ustawą o rachunkowości wartość początkowa i dotychczas dokonane od środków trwałych odpisy amortyzacyjne (umorzeniowe) mogą na podstawie odrębnych przepisów, ulegać aktualizacji wyceny. Ustalona w wyniku aktualizacji wyceny wartość księgowa netto środka trwałego nie powinna być wyższa od realnej wartości, której odpisanie w przewidywanym okresie jego dalszego używania jest ekonomicznie uzasadnione.

Dla celów podatkowych przyjmowane były stawki amortyzacyjne wynikające z ustawy z dnia 15 lutego 1992 roku o podatku dochodowym od osób prawnych określającej wysokość amortyzacji stanowiącej koszty uzyskania przychodów.

Składniki majątku o przewidywanym okresie użytkowania nie przekraczającym jednego roku lub wartości początkowej nie przekraczającej 3,5 tysiąca złotych są jednorazowo odpisywane w ciężar kosztów w momencie przekazania do użytkowania.

Środki trwałe umarzane są według metody liniowej począwszy od miesiąca następnego po miesiącu przyjęcia do eksploatacji w okresie odpowiadającym szacowanemu okresowi ich ekonomicznej użyteczności.

Środki trwałe w budowie wycenia się w wysokości ogółu kosztów pozostających w bezpośrednim związku z ich nabyciem lub wytworzeniem, pomniejszonych o odpisy z tytułu trwałej utraty wartości. Do ceny nabycia lub kosztu wytworzenia środków trwałych w budowie zalicza się koszty obsługi zobowiązań zaciągniętych w celu ich finansowania i związane z nimi różnice kursowe. Koszty obsługi pomniejsza się o uzyskane przychody z nim związane.

**Inwestycje długoterminowe**
Nieruchomości oraz wartości niematerialne i prawne i inne inwestycje nie stanowiące aktywów finansowych zaliczone do aktywów trwałych nie użytkowane przez jednostkę, lecz nabyte w celu osiągnięcia korzyści ekonomicznych wynikających z przyrostu wartości tych aktywów lub uzyskania z nich przychodów, lub innych pożytków – wycenia się według ceny ich nabycia pomniejszonej o ewentualne odpisy z tytułu trwałej utraty ich wartości. Wartość wg cen nabycia podlega okresowemu przeszacowaniu do wartości w cenie rynkowej.

**Długoterminowe aktywa finansowe:**

Udziały lub akcje wycenia się według ceny nabycia pomniejszonej o odpisy z tytułu trwałej utraty wartości.
Udziały lub akcje po początkowym ujęciu w cenie nabycia podlegają przeszacowaniu do wartości w cenie rynkowej.
Udziały lub akcje w jednostkach podporządkowanych wycenia się według ceny nabycia pomniejszonej o odpisy z tytułu trwałej utraty wartości. Wartość w cenie nabycia przeszacowuje się do wartości w cenie rynkowej.

**Aktywa finansowe i zobowiązania finansowe (instrumenty finansowe)**

**Instrumenty finansowe**
Instrumenty finansowe ujmowane są oraz wyceniane zgodnie z Rozporządzeniem Ministra Finansów z dnia 12 grudnia 2001 r. w sprawie szczegółowych zasad uznawania, metod wyceny, zakresu ujawniania i sposobu prezentacji instrumentów finansowych (Dz.U z dnia Dz. U. z dnia 22 grudnia 2001, z późn. zmianami).
Instrumentem finansowym jest każda umowa, która powoduje powstanie aktywa finansowego u jednej strony i zobowiązania finansowego lub instrumentu kapitałowego u drugiej strony.

Aktywa finansowe Spółka klasyfikuje do następujących kategorii:
- aktywa finansowe przeznaczone do obrotu,
- pożyczki udzielone i należności własne,
- aktywa finansowe utrzymywane do terminu wymagalności,
- aktywa finansowe dostępne do sprzedaży.

Zobowiązania finansowe dzielone są na:
- zobowiązania finansowe przeznaczone do obrotu,
- pozostałe zobowiązania finansowe.

Podstawę dokonania klasyfikacji stanowi cel nabycia aktywów finansowych oraz ich charakter. Spółka określa klasyfikacje swoich aktywów finansowych przy ich początkowym ujęciu, a następnie poddaje ją weryfikacji na każdy dzień sprawozdawczy.

**Aktywa finansowe**
Aktywa finansowe wycenia się na moment ich ujęcia w księgach w wartości godziwej. Początkowa wycena powiększana jest o koszty transakcji. Koszty transakcyjne ewentualnego zbycia składnika aktywów nie są uwzględniane przy późniejszej wycenie aktywów finansowych chyba że byłyby istotne. Składnik aktywów finansowych jest wykazywany w bilansie, gdy Spółka staje się stroną umowy (kontraktu), z której ten składnik aktywów finansowych wynika. Aktywa finansowe nabyte na rynku regulowanym wprowadza się do ksiąg na dzień ich nabycia .
Na każdy dzień bilansowy Spółka ocenia, czy istnieją przesłanki wskazujące na utratę wartości składnika aktywów finansowych.

**Aktywa finansowe przeznaczone do obrotu**
Składnik aktywów finansowych zalicza się do kategorii przeznaczonych do obrotu jeżeli został nabyty w celu osiągnięcia korzyści ekonomicznych wynikających z krótkoterminowych zmian cen oraz wahań innych czynników rynkowych albo krótkiego czasu trwania nabytego instrumentu, lub jeżeli stanowi część portfela, który generuje krótkoterminowe zyski lub też jest instrumentem pochodnym o dodatniej wartości godziwej. W Spółce do tej kategorii należą przede wszystkim instrumenty pochodne (Spółka nie stosuje rachunkowości zabezpieczeń)
Wbudowane instrumenty pochodne są oddzielane od umów i traktowane jak instrumenty pochodne, jeżeli wszystkie z następujących warunków są spełnione:
- charakter ekonomiczny i ryzyko wbudowanego instrumentu nie są ściśle związane z ekonomicznym charakterem i ryzykiem umowy, w którą dany instrument jest wbudowany,
- samodzielny instrument z identycznymi warunkami realizacji jak instrument wbudowany spełniałby definicję instrumentu pochodnego,
- instrument hybrydowy (złożony) nie jest wykazywany w wartości godziwej, a zmiany jego wartości godziwej nie są odnoszone w zysk/stratę netto (tj. instrument pochodny, który jest wbudowany w składnik aktywów finansowych lub zobowiązanie finansowe wyceniane według wartości godziwej przez wynik finansowy, nie jest wydzielony).

Wbudowane instrumenty pochodne są wykazywane w analogiczny sposób jak samodzielne instrumenty pochodne.

Aktywa zaliczone do kategorii przeznaczonych do obrotu wyceniane są na każdy dzień bilansowy w wartości godziwej a wszelkie zyski lub straty odnoszone są w przychody lub koszty finansowe. Wartość godziwą pochodnych instrumentów finansowych ustala się w oparciu o wyceny przeprowadzone przez banki realizujące transakcje. Wartość godziwą pozostałych aktywów finansowych przeznaczonych do obrotu ustala się stosując odpowiednie techniki wyceny, które obejmują: wykorzystanie cen niedawno zawartych transakcji lub cen ofertowych, porównanie do podobnych instrumentów, modele

wyceny opcji. Wartość godziwą instrumentów dłużnych stanowią przyszłe przepływy pieniężne zdyskontowane bieżącą rynkową stopą procentową właściwą dla podobnych instrumentów.
Na dzień bilansowy do aktywów przeznaczonych do obrotu Spółka zaliczyła instrumenty pochodne.

**Pożyczki udzielone i należności własne**
Do pożyczek udzielonych i należności własnych zalicza się – niezależnie od terminu ich wymagalności (zapłaty) – aktywa finansowe powstałe na skutek wydania bezpośrednio drugiej stronie kontraktu środków pieniężnych. Do pożyczek udzielonych i należności własnych zalicza się także obligacje i inne dłużne instrumenty finansowe nabyte w zamian za wydane bezpośrednio drugiej stronie kontraktu środki pieniężne, jeżeli z zawartego kontraktu jednoznacznie wynika, że zbywający nie utracił kontroli nad wydanymi instrumentami finansowymi. Pożyczki udzielone i należności własne, które Spółka przeznacza do sprzedaży w krótkim terminie, zalicza się do aktywów finansowych przeznaczonych do obrotu.
Do pożyczek udzielonych i należności własnych nie zalicza się nabytych pożyczek ani należności, a także wpłat dokonanych przez Spółkę w celu nabycia instrumentów kapitałowych nowych emisji, również wtedy, gdy nabycie następuje w pierwszej ofercie publicznej lub w obrocie pierwotnym, a w przypadku praw do akcji – także w obrocie wtórnym.
Pożyczki udzielone i należności własne wycenia się według zamortyzowanego kosztu przy zastosowaniu metody efektywnej stopy procentowej.
Do tej kategorii Spółka zalicza głównie depozyty bankowe jak również udzielone pożyczki i nabyte, nienotowane instrumenty dłużne.

**Aktywa finansowe utrzymywane do terminu wymagalności**
Aktywa finansowe utrzymywane do upływu terminu wymagalności są to niezakwalifikowane do pożyczek udzielonych i należności własnych aktywa finansowe, dla których zawarte kontrakty ustalają termin wymagalności spłaty wartości nominalnej oraz określają prawo do otrzymania w ustalonych terminach korzyści ekonomicznych, na przykład oprocentowania, w stałej lub możliwej do ustalenia kwocie, pod warunkiem że Spółka zamierza i może utrzymać te aktywa do czasu, gdy staną się one wymagalne. Aktywa finansowe utrzymywane do terminu wymagalności wyceniane są na każdy dzień sprawozdawczy w zamortyzowanym koszcie z zastosowaniem efektywnej stopy procentowej.

**Aktywa finansowe dostępne do sprzedaży**
Aktywa finansowe dostępne do sprzedaży są to instrumenty finansowe niezaliczone do żadnej z pozostałych kategorii.
Aktywa finansowe dostępne do sprzedaży zalicza się do aktywów trwałych, o ile nie istnieje zamiar zbycia inwestycji w ciągu 1 roku od dnia bilansowego lub do aktywów obrotowych – w przeciwnym wypadku. Aktywa finansowe dostępne do sprzedaży wyceniane są na każdy dzień sprawozdawczy w wartości godziwej a zyski i straty (za wyjątkiem strat z tytułu utraty wartości) ujmowane są w kapitale przychodach i kosztach finansowych. W przypadku oprocentowanych instrumentów dłużnych zaliczonych do tej kategorii część odsetkowa ustalona przy zastosowaniu metody efektywnej stopy procentowej jest odnoszona bezpośrednio do rachunku zysków i strat.

**Zobowiązania finansowe**
Zobowiązania finansowe wycenia się na moment ich ujęcia w księgach w wartości godziwej. W początkowej wycenie uwzględniane są koszty transakcji. Koszty transakcyjne wyzbycia się (wypełnienia) składnika zobowiązań finansowych nie są uwzględniane przy późniejszej wycenie tych zobowiązań chyba że byłyby istotne. Składnik zobowiązań finansowych jest wykazywany w bilansie, gdy Spółka staje się stroną umowy (kontraktu), z której to zobowiązanie finansowe wynika.

**Zobowiązania finansowe przeznaczone do obrotu**
Zobowiązania finansowe przeznaczone do obrotu są to zobowiązania, które stanowią pochodne instrumenty finansowe (Spółka nie stosuje rachunkowości zabezpieczeń) lub zobowiązania do dostarczenia pożyczonych papierów wartościowych oraz innych z instrumentów finansowych, w przypadku zawarcia przez Spółkę umowy sprzedaży krótkiej.
Zobowiązania zaliczone do zobowiązań finansowych wycenianych w wartości godziwej wyceniane są na każdy dzień sprawozdawczy w wartości godziwej a wszelkie zyski lub straty odnoszone są w przychody lub koszty finansowe. Wyceny instrumentów pochodnych w wartości godziwej dokonuje się na dzień bilansowy w oparciu o wyceny przeprowadzone przez banki realizujące transakcje. Wartość godziwą instrumentów dłużnych stanowią przyszłe przepływy pieniężne zdyskontowane bieżącą rynkową stopą procentową właściwą dla podobnych instrumentów.

Rzeczowe składniki aktywów obrotowych wycenia się według cen nabycia lub kosztów wytworzenia nie wyższych od ich cen sprzedaży netto na dzień bilansowy.

Koszty wytworzenia nie zakończonej usługi wykonywanej na podstawie długotrwałych umów obejmują koszty poniesione od dnia zawarcia odpowiedniej umowy do dnia bilansowego. Koszty poniesione przed zawarciem umowy związane z realizacją jej

przedmiotu, zaliczane są do aktywów, jeżeli pokrycie w przyszłości tych kosztów przychodami uzyskanymi od zamawiającego jest prawdopodobne.

Przychody z wykonania nie zakończonej usługi, objętej umową, w okresie realizacji dłuższym niż 6 miesięcy, wykonanej na dzień bilansowy w istotnym stopniu, ustala się na dzień bilansowy proporcjonalnie do stopnia zaawansowania usługi, jeżeli stopień ten można ustalić w sposób wiarygodny.

**Należności**

Należności wycenia się w kwotach wymaganej zapłaty, z zachowaniem zasady ostrożnej wyceny (po pomniejszeniu o odpisy aktualizujące).

Należności wyrażone w walutach obcych wycenia się na dzień bilansowy po obowiązującym na ten dzień średnim kursie ogłoszonym dla danej waluty przez Narodowy Bank Polski .
Różnice kursowe od należności wyrażonych w walutach obcych powstałe na dzień wyceny i przy zapłacie zalicza się odpowiednio: ujemne do kosztów finansowych i dodatnie do przychodów finansowych. W uzasadnionych przypadkach odnosi się je do kosztu wytworzenia produktów, usług lub ceny nabycia towarów a także wytworzenia środków trwałych lub wartości niematerialnych i prawnych (odpowiednio na zwiększenie lub zmniejszenie tych kosztów).

**Środki pieniężne**

Środki pieniężne wykazuje się w wartości nominalnej.

Wyrażone w walutach obcych wycenia się na dzień bilansowy po obowiązującym na ten dzień średnim kursie ogłoszonym dla danej waluty przez Narodowy Bank Polski.

**Rozliczenia międzyokresowe**

Rozliczenia międzyokresowe kosztów czynne dokonywane są, jeżeli koszty poniesione dotyczą przyszłych okresów sprawozdawczych.
W tej pozycji ujmowana jest nadwyżka przychodów zarachowanych nad zafakturowanymi z tytułu realizacji kontraktów długoterminowych.

**Kapitały własne**

Kapitały (fundusze) własne ujmuje się w księgach rachunkowych w wartości nominalnej według ich rodzajów i zasad określonych przepisami prawa, statutu lub umowy spółki. Kapitał zakładowy spółki kapitałowej wykazuje się w wysokości określonej w statucie i wpisanej w rejestrze sądowym. Zadeklarowane, lecz nie wniesione wkłady kapitałowe ujmuje się jako należne wkłady na poczet kapitału. Kapitał zapasowy tworzony jest z podziału zysku, przeniesienia z kapitału rezerwowego z aktualizacji wyceny oraz nadwyżki wartości emisyjnej akcji powyżej ich wartości nominalnej pomniejszonej o koszty tej emisji. Pozostała część kosztów emisji zaliczana jest do kosztów finansowych. Udziały lub akcje własne wyceniane są w cenie nabycia i wykazywane w kwocie ujemnej w kapitale własnym.
Kapitał rezerwowy z aktualizacji wyceny rzeczowych aktywów jest to kapitał powstały jako skutek aktualizacji wyceny aktywów trwałych. W przypadku zbycia lub likwidacji składnika majątku odpowiednia część kapitału rezerwowego z aktualizacji wyceny jest przenoszona na kapitał zapasowy. Odpis z tytułu trwałej utraty wartości aktywów trwałych, który uprzednio podlegał aktualizacji wyceny pomniejsza kapitał z aktualizacji do wysokości części kapitału, która dotyczy tego składnika majątku trwałego.
Kapitał (fundusz) rezerwowy z aktualizacji wyceny zwiększają również skutki przeszacowania inwestycji zaliczonych do aktywów trwałych powodujące wzrost ich wartości do poziomu cen rynkowych. Kapitał (fundusz) z aktualizacji wyceny zmniejszają, do wysokości kwoty, o którą podwyższono z tego tytułu kapitał (fundusz) z aktualizacji wyceny, skutki obniżenia wartości inwestycji uprzednio przeszacowanej, jeżeli kwota różnicy z przeszacowania nie była rozliczona do dnia wyceny. Skutki obniżenia wartości inwestycji w części przekraczającej utworzoną uprzednio część kapitału z aktualizacji zalicza się w koszty finansowe okresu sprawozdawczego.

**Rezerwy**

Rezerwy tworzy się na pewne lub o dużym stopniu prawdopodobieństwa przyszłe zobowiązania i wycenia się je na dzień bilansowy w wiarygodnie oszacowanej wartości. Rezerwy zalicza się odpowiednio do pozostałych kosztów operacyjnych, kosztów finansowych lub strat nadzwyczajnych, zależnie od okoliczności, z którymi przyszłe zobowiązania się wiążą.

Rezerwy tworzone są na poniższe tytuły:

- straty z transakcji gospodarczych w toku,

- udzielone gwarancje i poręczenia,
- skutki toczącego się postępowania sądowego i odwoławczego,
- przyszłe świadczenia pracownicze – nagrody jubileuszowe,
- odprawy emerytalno-rentowe,
- przyszłe zobowiązania związane z restrukturyzacją.

**Zobowiązania**

Zobowiązania wycenia się na dzień bilansowy w kwocie wymagającej zapłaty z wyjątkiem zobowiązań, których uregulowanie zgodnie z umową następuje przez wydanie innych niż środki pieniężne aktywów finansowych lub wymiany na instrumenty finansowe – które wycenia się według wartości godziwej.
Jeżeli termin wymagalności przekracza jeden rok od daty bilansowej, salda tych zobowiązań, z wyjątkiem zobowiązań z tyt. dostaw i usług, wykazuje się jako długoterminowe. Pozostałe części sald wykazywane są jako krótkoterminowe.

Zobowiązania wyrażone w walutach obcych wycenia się na dzień bilansowy po obowiązującym na ten dzień średnim kursie ogłoszonym dla danej waluty przez Narodowy Bank Polski.
Różnice kursowe dotyczące zobowiązań wyrażonych w walutach obcych powstałe na dzień wyceny i przy uregulowaniu zalicza się odpowiednio: ujemne do kosztów finansowych i dodatnie do przychodów finansowych. W uzasadnionych przypadkach odnosi się je do kosztu wytworzenia produktów, usług lub ceny nabycia towarów a także wytworzenia środków trwałych lub wartości niematerialnych i prawnych.

**Inne rozliczenia międzyokresowe**

a) Rozliczenia międzyokresowe kosztów bierne dokonywane są w wysokości prawdopodobnych zobowiązań przypadających na bieżący okres sprawozdawczy.
b)Rozliczenia międzyokresowe przychodów dokonywane z zachowaniem zasady ostrożności, obejmują w szczególności:
- równowartość otrzymanych lub należnych od kontrahentów środków z tytułu świadczeń, których wykonanie nastąpi w następnych okresach sprawozdawczych,
- środki pieniężne otrzymane na sfinansowanie nabycia lub wytworzenia środków trwałych, w tym także środków trwałych w budowie oraz prac rozwojowych, jeżeli stosownie do innych ustaw nie zwiększają one kapitałów (funduszy) własnych. Zaliczone do rozliczeń międzyokresowych przychodów kwoty zwiększają stopniowo pozostałe przychody operacyjne, równolegle do odpisów amortyzacyjnych lub umorzeniowych od środków trwałych lub kosztów prac rozwojowych sfinansowanych z tych źródeł,
- ujemną wartość firmy,
- nadwyżka zafakturowanych przychodów nad zarachowanymi dotycząca kontraktów długoterminowych.

**Zmiany zasad rachunkowości w okresie sprawozdawczym**

W bieżący roku nie dokonywano zmiany zasad rachunkowości.

## 1.6. Zwięzła charakterystyka istotnych dokonań lub niepowodzeń emitenta w okresie, którego dotyczy raport, wraz z opisem najważniejszych czynników i zdarzeń, w szczególności o nietypowym charakterze, mających wpływ na osiągnięte wyniki

Emitent w III kwartale 2017 r. osiągnął przychody na poziomie 118 tys. zł., podczas gdy w analogicznym okresie 2016 roku nie osiągnął żadnych przychodów. Wzrost przychodów wynika ze sprzedaży świadczonych usług oraz sprzedaży towarów. Znaczący wzrost pozycji „podatki i opłaty" w kwocie 25 tys. zł. jest wynikiem w znaczącej mierze zapłacenia podatku PCC w związku z uchwałą o emisji akcji serii C1. Spółka zamknęła III kwartał 2017 roku zyskiem netto w wysokości 32 tys. zł., natomiast w analogicznym okresie roku poprzedniego wykazała zysk w kwocie 870 tys. zł. i wynikał on głównie z aktualizacji wartości aktywów finansowych. Narastająco Emitent wykazał za trzy kwartały 2017 roku przychody w kwocie 132 tys. zł., podczas gdy w analogicznym okresie 2016 roku przychody wyniosły 14 tys. zł.. Za trzy kwartały 2017 roku Emitent wykazał zysk w kwocie 23 tys. zł., podczas gdy za analogiczny okres 2016 roku wykazał stratę 316,8 tys. zł..
W III kwartale 2017 roku Emitent przeprowadził scalenie akcji 10:1 zwiększając tym wartość nominalną jednej akcji do 1 zł. Działanie to zwiększyło płynność akcji nadając im możliwość zmian wyceny giełdowej o mniejsze skoki procentowe.
W sierpniu 2017 roku do Spółki wpłynęło żądanie zwołania Nadzwyczajnego Walnego Zgromadzenia, w którego porządku obrad znajdował się punkt dotyczący podwyższenia kapitału zakładowego w drodze emisji z prawem poboru. Jeszcze przed obyciem się Walnego Zgromadzenia Zarząd Emitenta podjął rozmowy, które zakończyły się podpisaniem umów przedwstępnych na aktywa, które będą mogły zostać nabyte w przypadku przegłosowania uchwały o podwyższeniu kapitału, a także powodzeniu realizacji praw poboru. Przedwstępne umowy dotyczą zakupu:

- 7 działek gruntu zlokalizowanych 8 km od granicy Torunia, gdzie Emitent zamierza zrealizować osiedle domów jednorodzinnych (spółka celowa Casas Sp. z o.o.), szczegółowa informacja w raporcie bieżącym ESPI 19/2017
- budynek użytkowy o powierzchni 188 m2 na terenie zespołu staromiejskiego w Toruniu (spółka celowa Casa Sp. z o.o.), szczegółowa informacja w raporcie bieżącym ESPI 18/2017
- nieruchomość w Czernikowie gdzie prowadzony jest hotel oraz restauracja (spółka celowa DAVINVI Sp. z o.o.), szczegółowa informacja w raporcie bieżącym ESPI 15/2017
- pakietu przekraczającego 50% udziału w kapitale zakładowym i głosów na zgromadzeniu wspólników Przedsiębiorstwa Usługowo-Handlowego „Nafta-Trans" Sp. z o.o., które jest jednym z liderów branży transportowej i dźwigowej w Północnej Wielkopolsce.

Dnia 8 września 2017 Nadzwyczajne Walne Zgromadzenie podjęło uchwałę w sprawie: obniżenia kapitału zakładowego Spółki w drodze obniżenia wartości nominalnej wszystkich akcji z jednoczesnym podwyższeniem kapitału zakładowego w drodze emisji akcji zwykłych na okaziciela serii C1 z prawem poboru dla dotychczasowych akcjonariuszy (subskrypcja zamknięta) w ramach oferty publicznej, zmiany Statutu Spółki, ubiegania się o wprowadzenie jednostkowych praw poboru (JPP), praw do akcji (PDA) oraz akcji serii C1 do Alternatywnego Systemu Obrotu NewConnect prowadzonego przez Giełdę Papierów Wartościowych w Warszawie S.A. oraz ich dematerializacji i upoważnienia Zarządu Spółki do zawarcia umowy z Krajowym Depozytem Papierów Wartościowych S.A..

Powodzenie emisji, a poprzez to pozyskanie środków finansowych na zakup powyższych twardych aktywów zapewni Emitentowi skokowy wzrost oraz pewność dalszego stabilnego rozwoju.

## 2. STANOWISKO ODNOŚNIE DO MOŻLIWOŚCI ZREALIZOWANIA PUBLIKOWANYCH PROGNOZ WYNIKÓW FINANSOWYCH

Nie dotyczy. Emitent nie publikował prognoz wyników finansowych.

## 3. WSKAZANIE JEDNOSTEK WCHODZĄCYCH W SKŁAD GRUPY KAPITAŁOWEJ EMITENTA NA OSTATNI DZIEŃ OKRESU OBJĘTEGO RAPORTEM KWARTALNYM

Miejski Pojazd Elektryczny Sp. z o.o. – 60% udziału w kapitale zakładowym.

## 4. WSKAZANIE PRZYCZYN NIESPORZĄDZANIA SKONSOLIDOWANYCH SPRAWOZDAŃ FINANSOWYCH

Letus Capital S.A. nie sporządza skonsolidowanych sprawozdań finansowych zgodnie z art. 58 ust. 1 Ustawy o rachunkowości z dnia 29 września 1994 roku. Zgodnie z nim jednostka dominująca może nie sporządzać skonsolidowanego sprawozdania finansowego, jeżeli dane finansowe jednostki zależnej są nieistotne dla realizacji obowiązku określonego w art. 4 ust. 1 w/w ustawy. Miejski Pojazd Elektryczny Sp. z o.o. aktualnie bazuje jedynie na aktywach jednostki dominującej, nie prowadząc własnych działań mających wpływ na własną sytuację majątkową, finansową oraz wynik finansowy w raportowanym kwartale.

## 5. INFORMACJA O PODJĘTYCH PRZEZ SPÓŁKĘ, W OBSZARZE ROZWOJU PROWADZONEJ DZIAŁALNOŚCI, INICJATYW NASTAWIONYCH NA WPROWADZENIE W PRZEDSIĘBIORSTWIE ROZWIĄZAŃ INNOWACYJNYCH

Podmiot nie realizował działalności innowacyjnej w III kwartale 2017 roku.

## 6. OPIS STANU REALIZACJI DZIAŁAŃ I INWESTYCJI, O KTÓRYCH INFORMACJA ZOSTAŁA ZAMIESZCZONA W DOKUMENCIE INFORMACYJNYM

Spółka w Dokumencie Informacyjnym z dnia 19 czerwca 2017 roku zaznaczyła wprowadzenie nowej strategii działalności. Początkiem jej możliwości realizacji było zatwierdzenie przez Walne Zgromadzenie zmian w zakresie działalności Emitenta (data WZ 30 czerwca 2017 roku), a następny krokiem jest emisja w celu pozyskania funduszy na jej realizację (data uchwalenie emisji 8 września 2017 roku)

| Lp. | Termin realizacji | Zadanie inwestycyjne | Stan realizacji |
|---|---|---|---|
| 1 | 2017 | Zakup obiektu pod najem komercyjny długoterminowy | Umowa przedwstępna na zakup spółki celowej posiadającej nieruchomość w zabytkowej części Torunia. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2 | 2017 | Zakup obiektu pod najem krótkoterminowy | Umowa przedwstępna na zakup spółki celowej posiadającej nieruchomość w Czernikowie, w której prowadzony jest hotel z restauracją. |
| 3 | 2017 | Zakup nieruchomości gruntowej pod budownictwo mieszkalne | Umowa przedwstępna na zakup spółki celowej posiadającej 7 działek gruntowych. |
| 4 | 2017-2018 | Realizacja budynków mieszkalnych na nieruchomości z lp. 3 | Rozpoczęcie realizacji po spełnieniu się lp. 3 |
| 5 | 2017-2018 | Rozpoczęcie działalności w zakresie usług niskonakładowych (zakup odpowiednich aktywów) | Prowadzone due diligance Telma Agency Communications Sp. z o.o., zakup udziałów oraz objęcie podwyższenia kapitału spółki iTechnologie Games S.A. |
| 6 | 2017-2018 | Rozpoczęcie działalności w branżach perspektywicznych | Złożenie kompletu dokumentów w celu obrotu hurtowego alkoholem do 18%, prowadzenie rozmów z właścicielem gruzińskiej marki wina. |
| 7 | 2017-2018 | Podniesienie kapitału zakładowego w spółce Miejski Pojazd Elektryczny Sp. z o.o. | Na podstawie przeprowadzonych rozmów oraz wymiany dokumentacji z rzecznikiem patentowym Emitent rozważa potencjalne niebezpieczeństwa szerokiego ujawnienia innowacyjnej technologii w opracowaniu patentowym. |
| 8 | Od 2018 | Zakup kolejnych obiektów pod najem komercyjny długoterminowy | Inwestycje przyszłe. |
| | | Zakup kolejnych obiektów pod najem krótkoterminowy | |
| | | Działania deweloperskie | |
| | | Rozwój działalności w branżach perspektywicznych | |

## 7. Struktura akcjonariatu Emitenta

Wykres i tabela poniżej przedstawiają strukturę akcjonariatu Emitenta na dzień publikacji niniejszego raportu kwartalnego ze wskazaniem akcjonariuszy posiadających ponad 5%* głosów na WZ Emitenta. Struktura akcjonariatu została sporządzona w oparciu o zawiadomienia podane do publicznej wiadomości w trybie art. 70 pkt 1 Ustawy o ofercie publicznej i warunkach wprowadzania instrumentów finansowych do zorganizowanego systemu obrotu oraz o spółkach publicznych. * Delmont Capital LCC nie przesłał informacji o zmianie ilości głosów, a także o zejściu poniżej progu 5%, co wynikałoby z rejestracji akcji serii H, dlatego też wg wiedzy emitenta posiada 4,69%.

Tabela 1 Struktura akcjonariatu Emitenta na dzień 31.03.2016 r.

| Akcjonariusz | Liczba akcji | Udział | Liczba głosów | Udział |
|---|---|---|---|---|
| Generator OZE S.A. | 548 996 | 30,88% | 548 996 | 30,88% |
| Delmont Capital LCC* | 83 301 | 4,69% | 83 301 | 4,69% |
| Pozostali | 1 145 703 | 64,44% | 1 145 703 | 64,44% |
| **Razem** | **1 778 000,00** | **100,00%** | **1 778 000,00** | **100,00%** |

*Źródło: opracowanie własne na podstawie opublikowanych zawiadomień*

## 8. Informacje dotyczące liczby osób zatrudnionych przez emitenta, w przeliczeniu na pełne etaty

Na dzień 30 września 2017 roku zatrudnienie w LETUS CAPITAL S.A. w przeliczeniu na pełne etaty wyniosło 0.00. Spółka działa na zasadzie outsourcingu.